Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan

कक्षा - 11

इतिहास

विश्व इतिहास के कुछ विषय

अनुभाग-3 : बदलती परम्पराएँ

विषय-5: बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ

अभ्यास प्रश्न-1

निर्मल सिंह



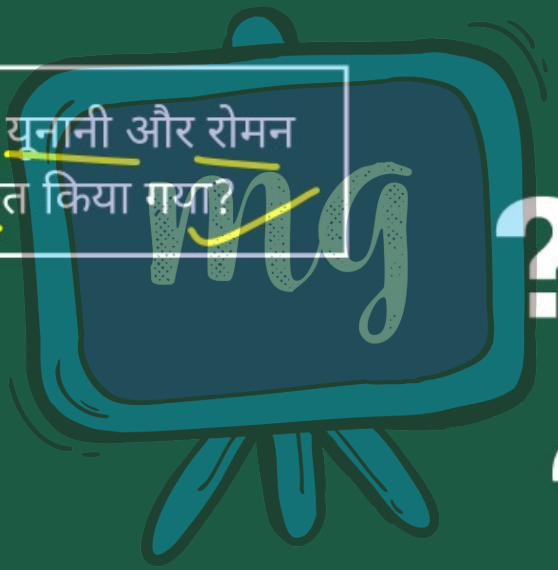
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संक्षेप में उत्तर दीजिए

1 चौदहवीं और पंद्रहवीं शताब्दियों में यूनानी और रोमन संस्कृति के किन तत्वों को पुनर्जीवित किया गया?





Under CSR Support by ipca | Foundation

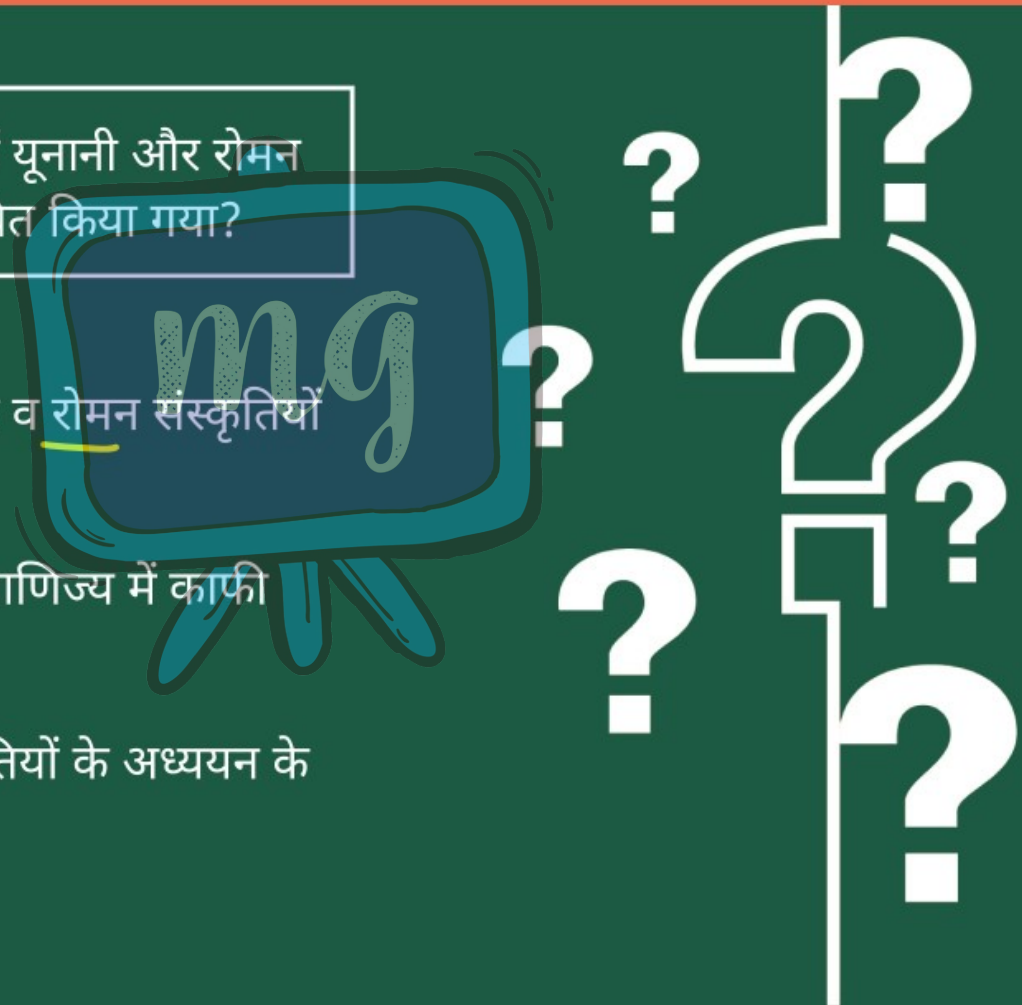
अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1 चौदहवीं और पंद्रहवीं शताब्दियों में यूनानी और रोमन संस्कृति के किन तत्वों को पुनर्जीवित किया गया?

उत्तर :

- यूरोप में हुए परिवर्तनों का प्रभाव यूनान व रोमन संस्कृतियों पर भी पड़ा।
- 14वीं और 15वीं शताब्दी में शिक्षा व वाणिज्य में काफी प्रगति हो चुकी थी।
- जनता के मन में यूनानी व रोमन संस्कृतियों के अध्ययन के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हुई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यूनानी और रोमन संस्कृति व सभ्यता से प्रभावित होकर मानव को ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना माना गया।
- अनेक चित्रकारों ने मानव से संबंधित विषयों पर अपनी रचनाएँ व चित्रकारियाँ कीं।
- दार्शनिक व तर्कवाद की प्रवृत्ति से प्रभावित होकर वैज्ञानिकों ने आविष्कार किए और लोगों को मध्यकाल के अंधकार से बाहर निकालने का प्रयास किया।
- रूढ़ियों व अंधविश्वासों का पर्दाफाश यूनानी व रोमन तर्कवाद के माध्यम से किया गया।

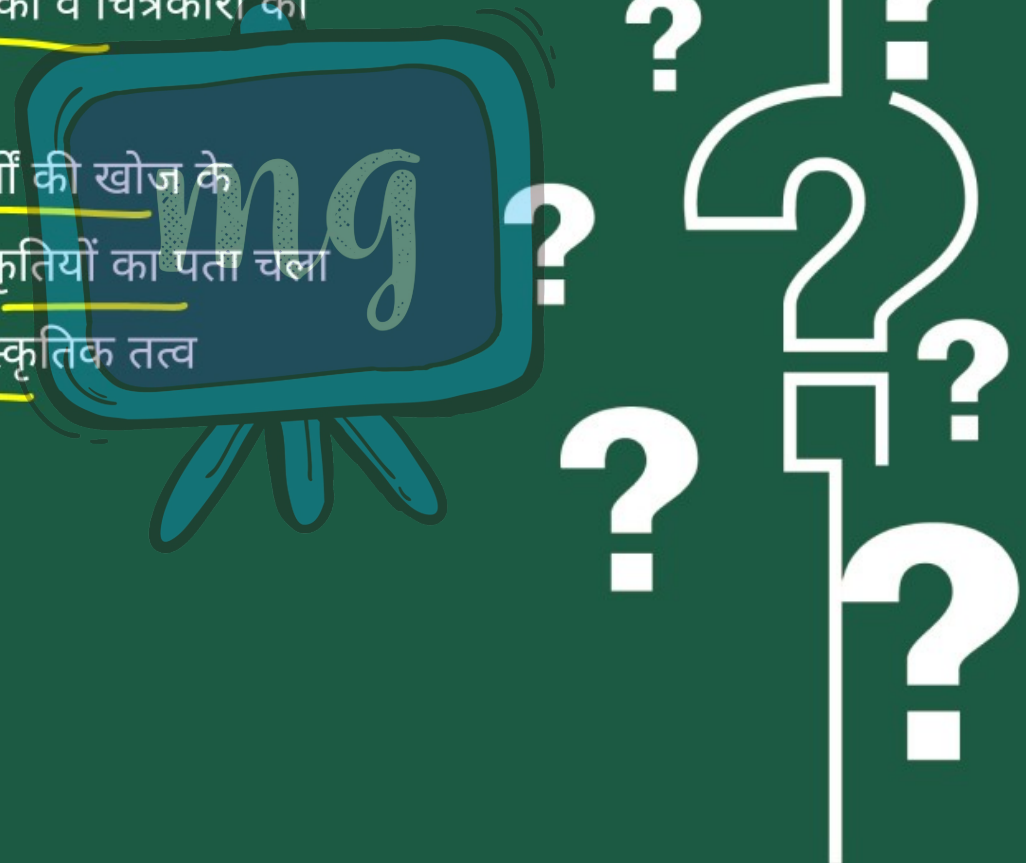


Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- आत्मा और परमात्मा को छोड़कर लेखकों व चित्रकारों का मुख्य विषय मानव बन गया।
- इसके साथ-साथ अनेक व्यापारिक मार्गों की खोज के फलस्वरूप यूरोप व अन्य देशों की संस्कृतियों का पता चला और सभ्यताओं के सभी आवश्यक सांस्कृतिक तत्व पुनर्जीवित हुए।

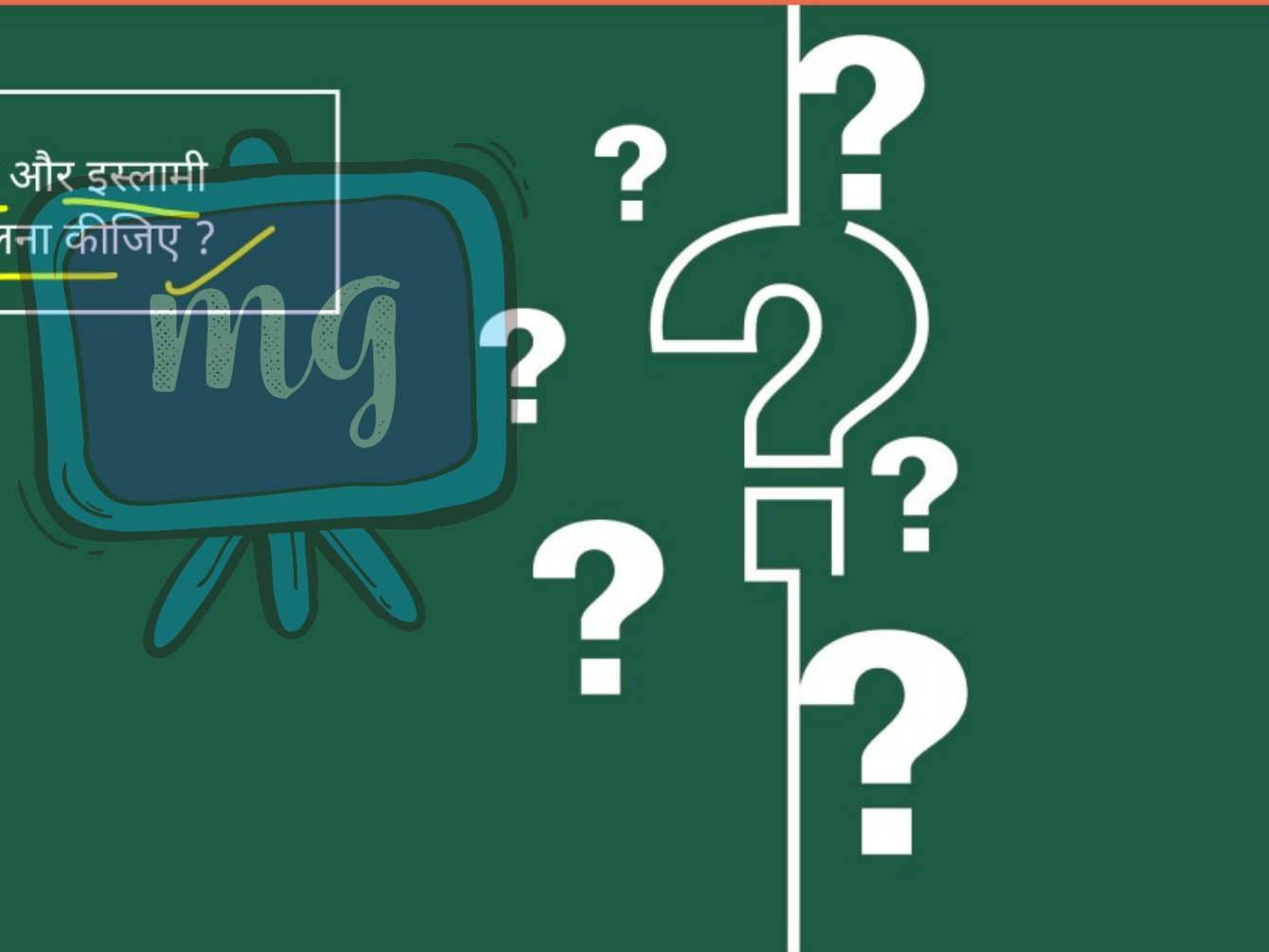


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 इस काल की इटली की वास्तुकला और इस्लामी वास्तुकला की विशिष्टताओं की तुलना कीजिए ?



Under CSR Support by ipca | Foundation

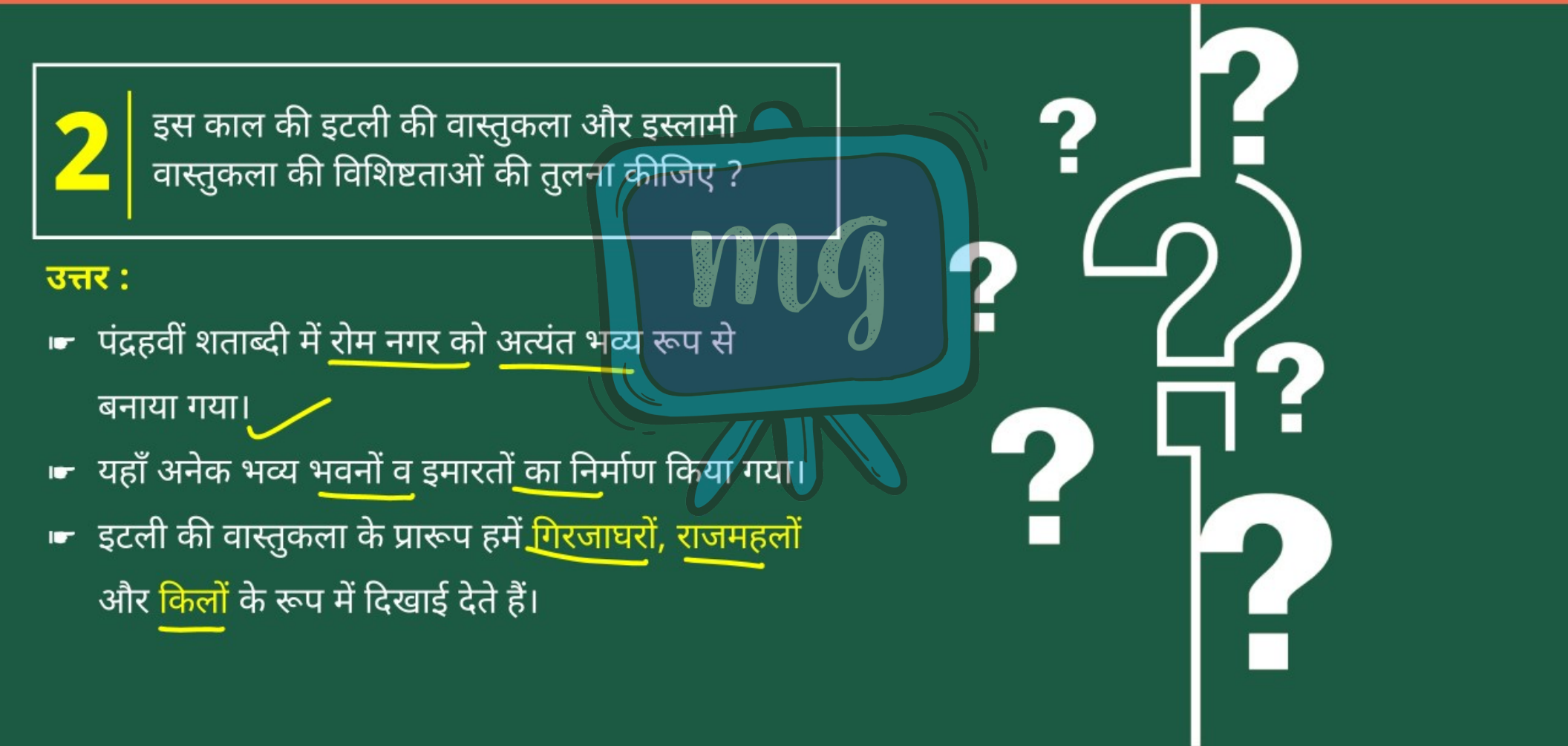
अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 इस काल की इटली की वास्तुकला और इस्लामी वास्तुकला की विशिष्टताओं की तुलना कीजिए ?

उत्तर :

- पंद्रहवीं शताब्दी में रोम नगर को अत्यंत भव्य रूप से बनाया गया।
- यहाँ अनेक भव्य भवनों व इमारतों का निर्माण किया गया।
- इटली की वास्तुकला के प्रारूप हमें गिरजाघरों, राजमहलों और किलों के रूप में दिखाई देते हैं।

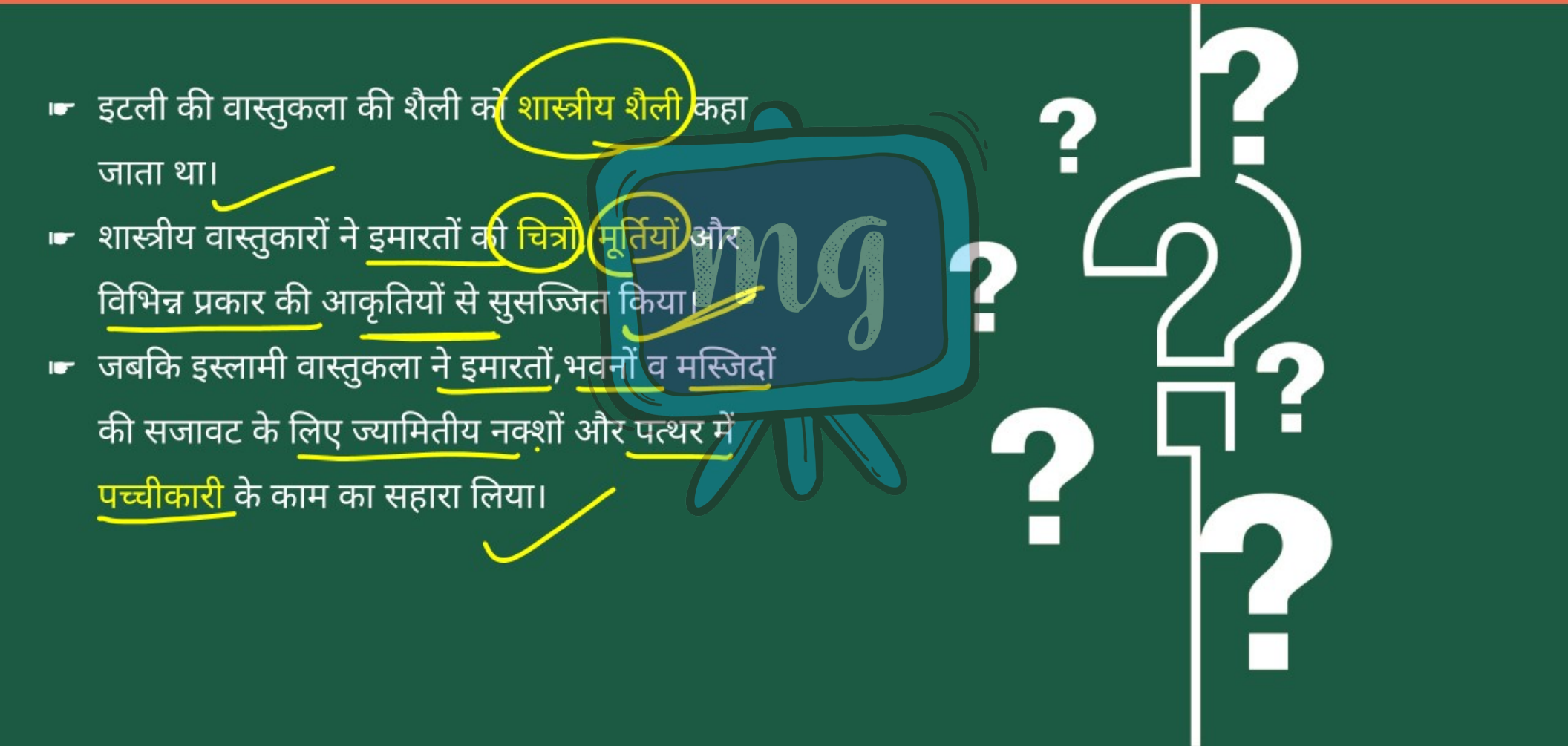


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इटली की वास्तुकला की शैली को शास्त्रीय शैली कहा जाता था।
- शास्त्रीय वास्तुकारों ने इमारतों को चित्रों, मूर्तियों और विभिन्न प्रकार की आकृतियों से सुसज्जित किया।
- जबकि इस्लामी वास्तुकला ने इमारतों, भवनों व मस्जिदों की सजावट के लिए ज्यामितीय नक्शों और पत्थर में पच्चीकारी के काम का सहारा लिया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ इटली की वास्तुकला की विशिष्टता के रूप में हमें भव्य गोलाकार गुंबद, भवनों की भीतरी सजावट, गोल मेहराबदार दरवाजे आदि दिखाई देते हैं।

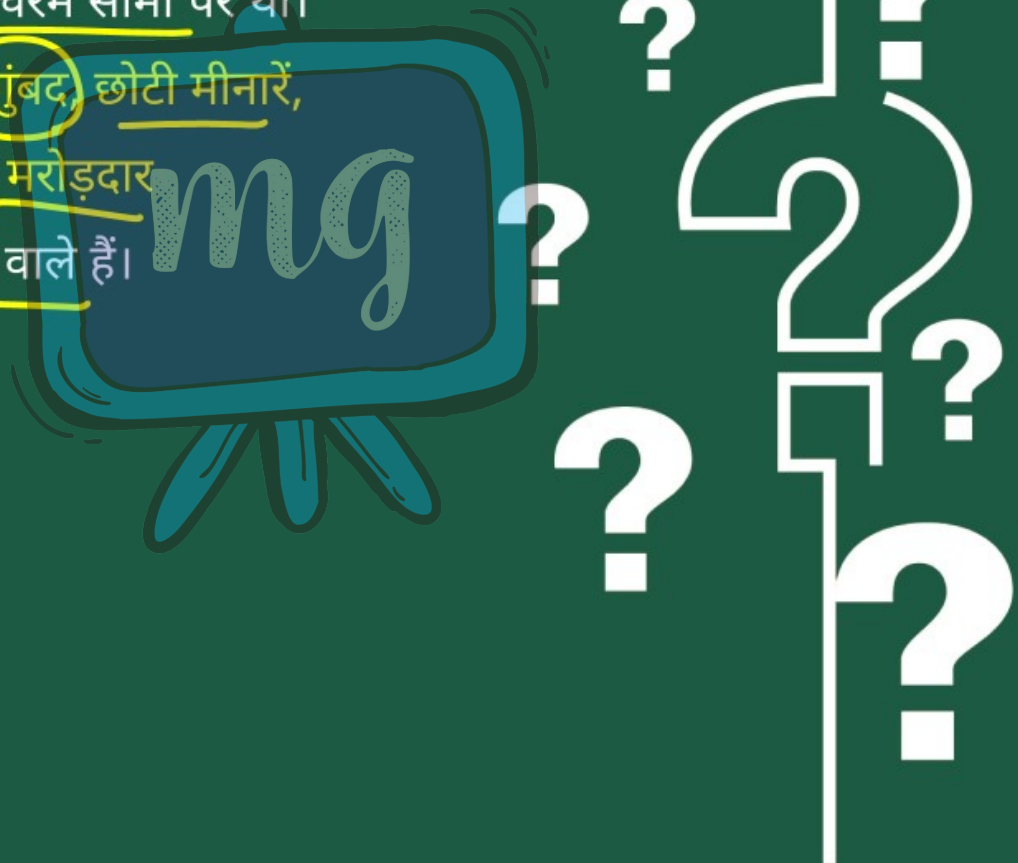


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इस्लामी वास्तुकला इस काल में अपनी चरम सीमा पर थी।
- विशाल भवनों में बल्ब के आकार जैसे गुंबद, छोटी मीनारें, घोड़े के खुरों के आकार के मेहराब और मरोड़दार (घुमावदार) खंभे आश्चर्यचकित कर देने वाले हैं।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ ऊँची मीनारों और खुले आँगनों का प्रयोग हमें इस्लामी वास्तुकला के भवनों में नज़र आता है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3 मानवतावादी विचारों का अनुभव सबसे पहले इतालवी शहरों में क्यों हुआ?





Under CSR Support by ipca | Foundation

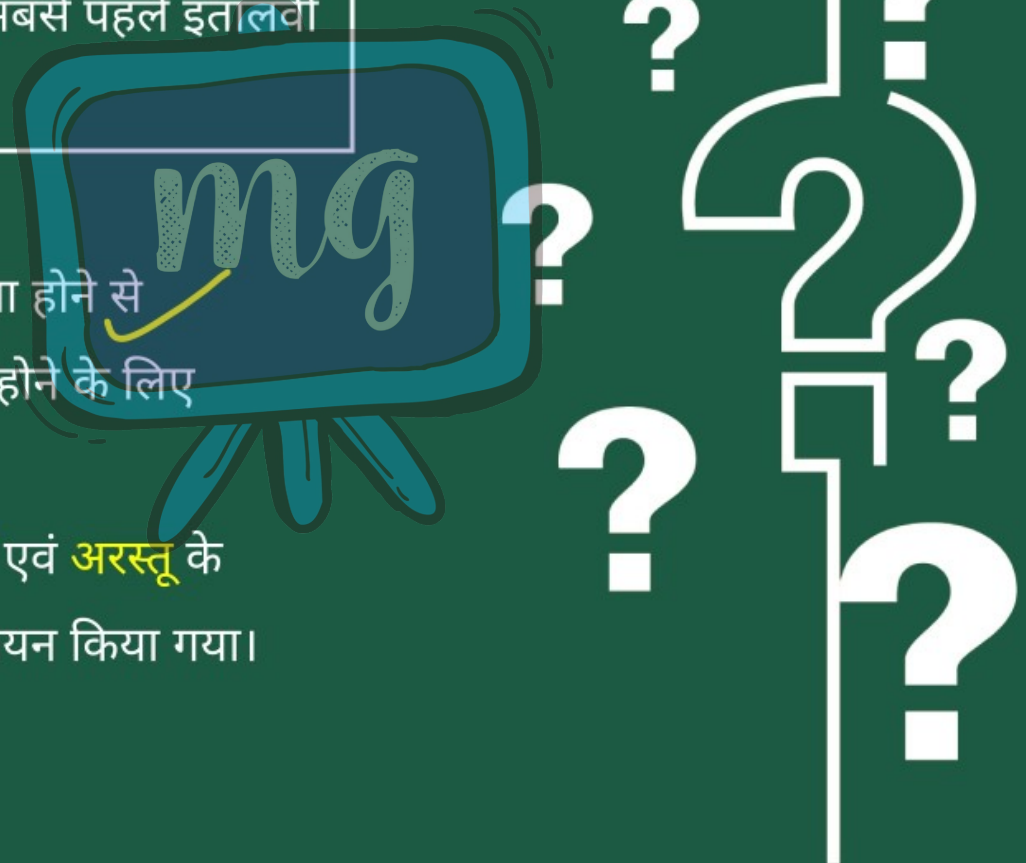
अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3 मानवतावादी विचारों का अनुभव सबसे पहले इतालवी शहरों में क्यों हुआ?

उत्तर :

- इटली में अनेक स्वंतत्र नगरों की स्थापना होने से मानवतावादी विचारधारा को विकसित होने के लिए अनुकूल अवसर मिला।
- चौदहवीं शताब्दी में विद्वानों द्वारा प्लेटो एवं अरस्तू के सिद्धांतों एवं ग्रंथों के अनुवादों का अध्ययन किया गया।

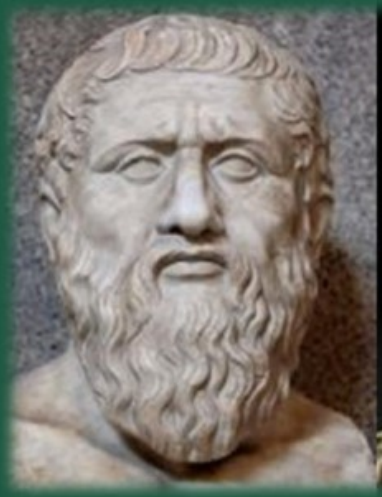


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ चौदहवीं शताब्दी में विद्वानों द्वारा प्लेटो एवं अरस्तू के सिद्धांतों एवं ग्रंथों के अनुवादों का अध्ययन किया गया।





Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इसके अतिरिक्त मध्यकाल में कुस्तुनतुनिया पर तुर्की द्वारा आधिपत्य कायम कर लेने से अनेक विद्वानों एवं दार्शनिकों ने इटली में शरण ली और वे अपने साथ विपुल मात्रा में साहित्य ले गए।
- अरबवासियों की कृपादृष्टि से इटलीवासियों को अनेक साहित्यिक रचनाओं के अनुवाद भी प्राप्त हुए।
- प्राकृतिक विज्ञान, खगोल विज्ञान, गणित, औषधि विज्ञान आदि विषयों की तरफ लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ।

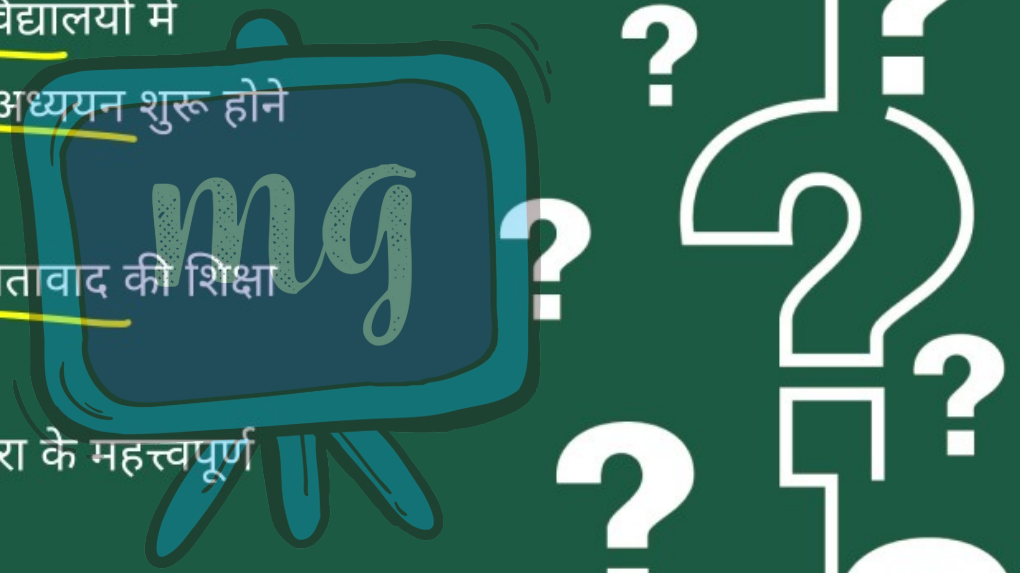


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इसके अतिरिक्त इटली के अनेक विश्वविद्यालयों में मानवतावादी विषयों पर अध्यापन एवं अध्ययन शुरू होने लगा।
- इटली के पादुआ विश्वविद्यालय में मानवतावाद की शिक्षा दी जाती थी।
- इटलीवासियों ने मानवतावादी विचारधारा के महत्त्वपूर्ण सिद्धांतों को ग्रहण किया।

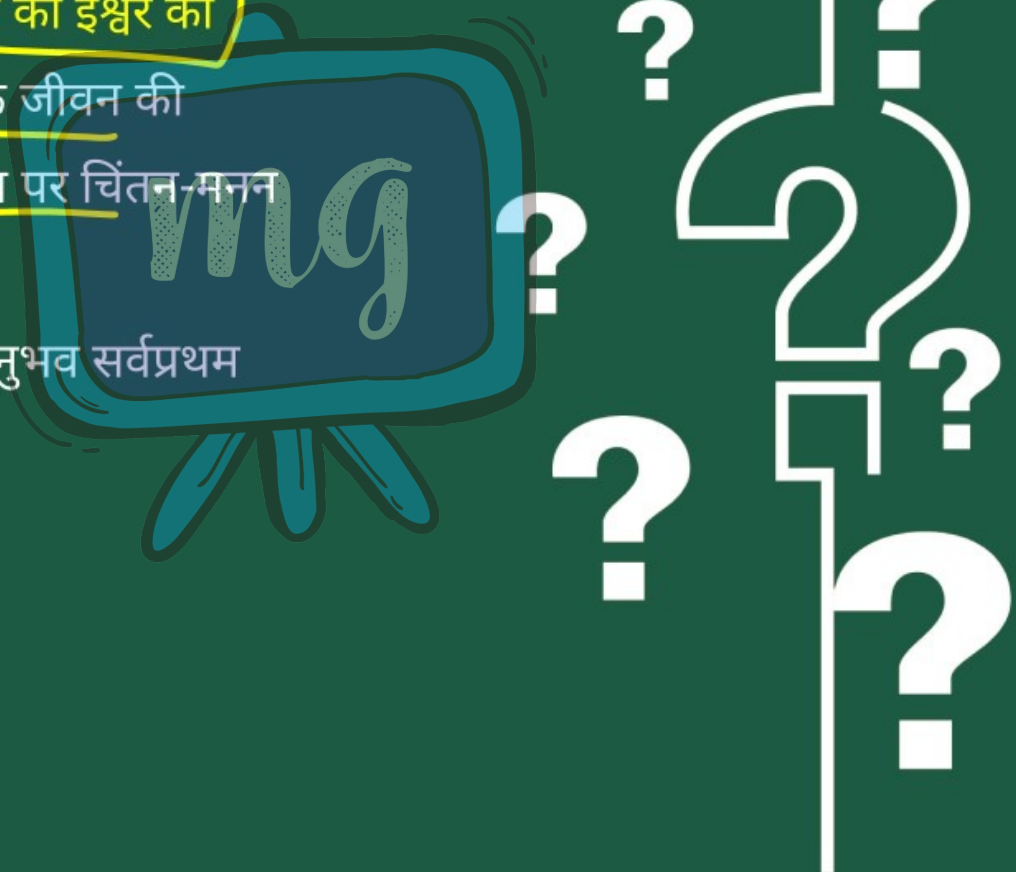


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- इटली के मानवतावादी विद्वानों ने मानव को ईश्वर की सर्वोत्तम रचना माना और उसके भौतिक जीवन की समस्याओं व उससे मुक्ति पाने के विषय पर चिंतन-मनन किया।
- परिणामतः मानवतावादी विचारों का अनुभव सर्वप्रथम इतालवी शहरों को प्राप्त हुआ।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4 वेनिस और समकालीन फ्रांस में 'अच्छी सरकार' के विचारों की तुलना कीजिए।





Under CSR Support by ipca | Foundation

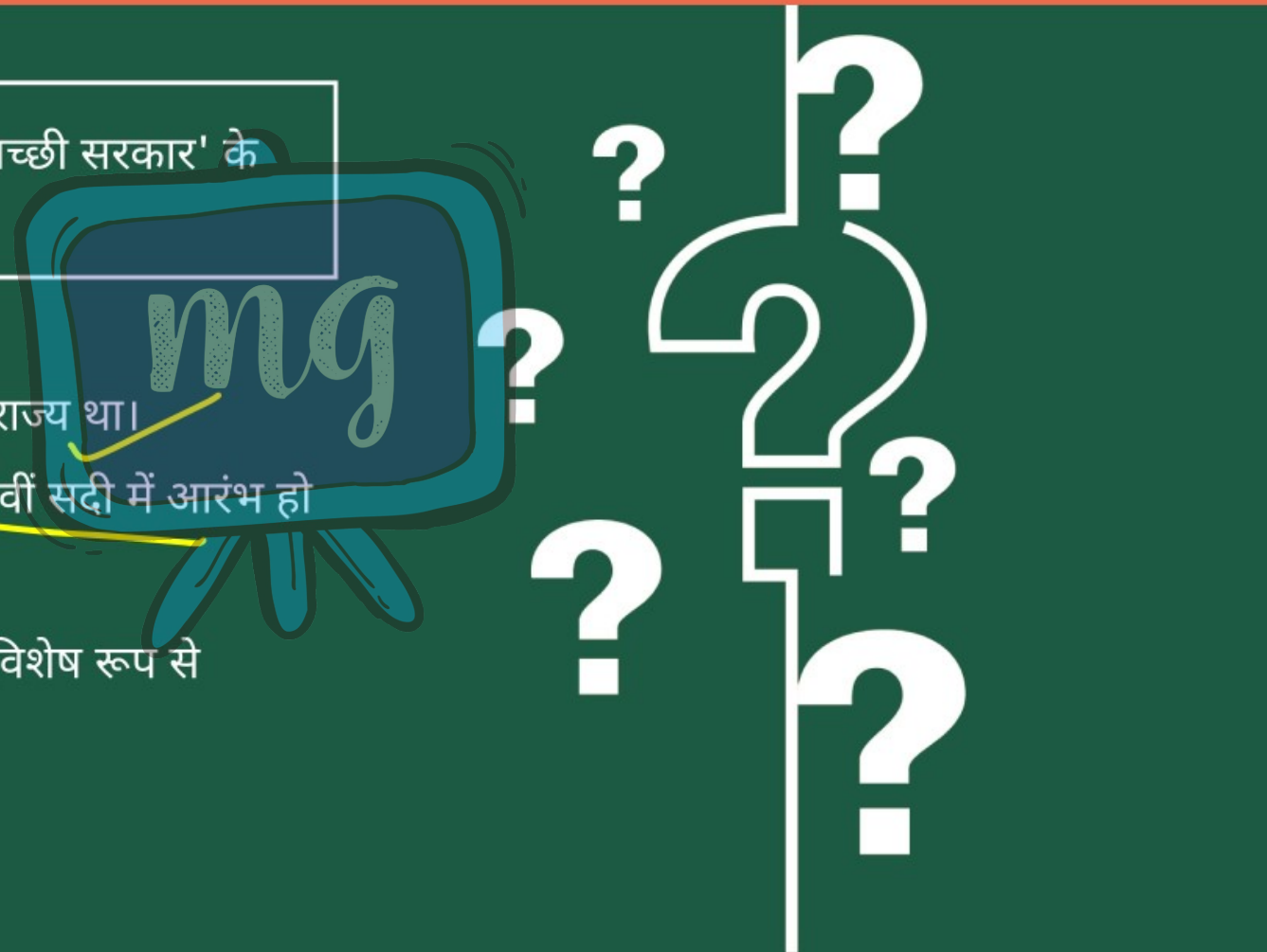
अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4 वेनिस और समकालीन फ्रांस में 'अच्छी सरकार' के विचारों की तुलना कीजिए।

उत्तर :

- वेनिस, इटली का एक महत्त्वपूर्ण नगर राज्य था।
- वहाँ पर गणतंत्रीय शासन-प्रणाली पंद्रहवीं सदी में आरंभ हो चुकी थी।
- वेनिस के अतिरिक्त फ़्लोरेंस और रोम विशेष रूप से उल्लेखनीय स्वतंत्र नगर राज्य थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यहाँ के धनी व्यापारी एवं महाजन नगर की शासन- प्रणाली में सक्रिय रूप से भूमिका निभाते थे।
- नगर का संपूर्ण अधिकार एक ऐसी परिषद् के हाथों में था जिसके सारे सदस्य सभ्रांत वर्ग के और 35 वर्ष से अधिक आयु वाले थे।
- वेनिस में शासन की बागडोर नागरिकों के हाथों में थी।
- वेनिस निवासियों में नागरिकता की भावना अत्यधिक व्याप्त थी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- दूसरी तरफ फ्रांस की शासन-प्रणाली वेनिस के एकदम विपरीत थी।
- फ्रांस में नगर राज्यों का संचालन निरंकुश शासक वर्ग के हाथों में था।



